विषय -सूची

Sr.	CHAPTER	Pg. No
1	पूर्व मध्यकाल (600ई.-1200ई.)	2
2	दिल्ली सल्तनत (1206ई.-1526ई.)	10
3	क्षेत्रीय राज्य	22
4	विजयनगर साम्राज्य (1336ई. -1646 ई.)	25
5	बहमनी साम्राज्य (1347ई.- 1525 ई.)	29
6	भक्ति और सूफी आन्दोलन	32
7	मुगल काल (1526-40 एवं 1555-1857)	41
8	मराठा साम्राज्य (1674-1720) एवं मराठा संघ (1720-1818)	52

This is a Sample pdf
To Buy Notes WhatsApp on 9896160956

1.पूर्व मध्यकाल (600ई.-1200ई.)

1. उत्तरी भारत: राजपूताना काल

हर्षवर्धन के बाद, राजपूत उत्तर भारत में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरे और 7वीं सदी के बाद से लगभग 500 वर्षों तक भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर राज किया।

त्रिपक्षीय संघर्ष (750ई.-100ई.)

- *750*ई.-1000ई. का काल तीन महत्वपूर्ण साम्राज्यों के उत्कर्ष का काल था: गुर्जर-प्रतिहार (पश्चिमी भारत), पाल (पूर्वी भारत) और राष्ट्रकूट (दक्कन)।
- इन्हीं तीन साम्राज्यों के बीच के संघर्ष को (मूल रूप से गंगा घाटी में स्थित कन्नौज क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए) समान्यतः "**त्रिपक्षीय संघर्ष**" के रूप में जाना जाता है।
- **कन्नौज** रणनीतिक और वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण था। यह**गंगा के व्यापार मार्ग में स्थित होने के साथ-साथ सिल्क मार्ग** को भी जोड़ता था। पूर्व में,**कन्नौज**हर्षवर्धनके साम्राज्य की राजधानी भी था।

गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य (पश्चिमी भारत) 730ई.-1036ई.

- इन्हें गुर्जर-प्रतिहार के नाम से जाना जाता था| ये मूलतः **पशुपालक और योद्धा** थे।
- इस साम्राज्य की स्थापना **हरिश्चन्द्र** द्वारा दक्षिण-पश्चिम राजस्थान (जोधपुर) और उसके आस-पास के इलाके में की गयी थी।
- प्रतिहार, सिंधु नदी के पूर्व में अरब सेनाओं को बढ़ने से रोकने में सफल रहे।
- गुर्जर-प्रतिहार अपनी मूर्तियों, नक्काशीदार और खुले मंडप शैली के मंदिरों के लिए जाने जाते हैं। मंदिर निर्माण की उनकी शैली का सबसे बड़ा उदाहरण **खजुराहो के मंदिर** हैं, जिसे **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल**में भी शामिल किया गया हैं।
- संस्कृत के प्रसिद्ध कवि और नाटककार **राजशेखर** को महेन्द्रपाल प्रथम (मिहिरभोज का पुत्र)कासंरक्षण प्राप्त था।
- महेन्द्रपाल प्रथम (886-910ई.) के बाद महिपाल प्रथम गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य का शासक बना।
- प्रतिहार साम्राज्य की यात्रा करने वाला **अल-मसूदी**बगदाद से आया था।

प्रमुख शासक:

नागभट्ट प्रथम (730-760ई.)	• सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार शासक, जिसे **"अरबों का नाशक"** भी कहा जाता है। • इनको राष्ट्रकूट राजा ध्रुव ने पराजित किया था।
वत्सराज (780-800ई.)	• पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कन्नौज को अपनी राजधानी बनायी।

This is a Sample pdf
To Buy Notes WhatsApp on 9896160956

	• इसकी **विस्तारवादी नीति** के कारण इसका पाल शासक धर्मपाल और राष्ट्रकूट शासक **ध्रुव** के साथ सामना हुआ, इसप्रकार **"त्रिपक्षीय संघर्ष"** की शुरुआत हुई जो लगभग 350 वर्षों तक चला। • वत्सराज ने कन्नौज पर नियंत्रण स्थापित करने के क्रम में पाल शासक धर्मपाल और राष्ट्रकूट शासक दंतिदुर्ग को पराजित किया।
नागभट्ट द्वितीय **(805-833ई.)**	• इसने **कन्नौज**औरसिंधु-गंगा के मैदान पर अधिकार करने के साथ-साथ पाल शासकों से बिहार को जीता और पश्चिम में मुस्लिम आक्रमण का भी सामना किया। • इसने **गुजरात में सोमनाथ शिव मंदिर का पुनर्निर्माण** भी करवाया, जो सिंध से किए गए अरब आक्रमण से क्षतिग्रस्त हो गया था।
भोज प्रथम/मिहिरभोज **(836-885ई.)**	• प्रतिहार वंश का सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक, पाल और राष्ट्रकूट दोनों शासकों को पराजित किया। • इसने अपने राजधानी कन्नौज में ही बनाई जिसे **महोदया** के नाम से भी जाना जाता है। • यह विष्णु का उपासक था और इसने **'आदिवाराह'** की उपाधि धारण की थी।

गज़नवी के आक्रमण के बाद प्रतिहारों का शासन समाप्त हो गया और उनके क्षेत्रो को राजपूताना के चौहानों, गुजरात के चालुक्य या सोलंकी और मालवा के परमार शासकों द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया।

बंगाल के पाल शासक: 750ई.-1150ई.

- पाल साम्राज्य की स्थापना 750ई. में **गोपाल** ने की थी।
- **राजधानी:** मुद्दागिरी/ मुंगेर (बिहार)
- पाल साम्राज्य **बंगाल और बिहार** में फैला था, जिसके अंतर्गत पाटलिपुत्र,विक्रमशिला, मुंगेर ताम्रलीप्ति जैसे प्रसिद्ध नगर आते थे।
- पाल बौद्ध धर्म के **महायान और तांत्रिक संप्रदाय** के अनुयाई थे।
- पाल शासकों के **तिब्बत के साथ घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध** थे। प्रख्यात बौद्ध विद्वानों संतरक्षिता और दीपांकर को तिब्बत में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने वहां धर्म का एक नया रूप प्रस्तुत किया।
- इनके दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ **व्यापारिक** और **सांस्कृतिक** संबंध थे।
- मलय, जावा, सुमात्रा पर शासन करने वाले शैलेंद्र राजवंश (बौद्ध) ने कई राजदूतों को पाल दरबार में भेजाथा।
- पाल युग को **बंगाल के इतिहास का स्वर्ण युग** कहा जाता है।
- पाल सेना अपनी **विशाल हाथी सेना** के लिए प्रसिद्ध थी।
- अरब व्यापारी **सुलेमान** ने पाल साम्राज्य का दौरा किया था।
- पाल साम्राज्य का अंत सेन शासक विजयसेन द्वारा की गयी।

प्रमुख शासक:

गोपाल (750ई. के आसपास)	• धर्मपाल के खलिमपुर ताम्र लेख के अनुसार, इसने मगध के उत्तर गुप्त शासकों और खड्ग वंशके शासकों को हराकर **पाल राजवंश** की शुरुआत की थी।

To Buy Notes WhatsApp on 9896160956 This is a Sample pdf